BCM SCHOOL BASANT AVENUE LDH.(1.5.23)
Assignment class IX Hindi M.M-15(दो बैलों की कथा, लहासा की ओर**)**
उत्तरमाला

1. गधा बेवकूफ ना होकर अधिक सीधा और सहनशील जानवर है।

2**.** फाटक की ओर ।

3. गांव के सबसे गरीब झोपड़े में

4. अपने यजमानों को कपड़े की पतली-पतली बत्तियों के गंडे।

1. दोनों बैलों की आंखों में विद्रोहमय स्नेह इसलिए झलक रहा था क्योंकि वे गया के घर से रस्सी तुड़वा कर झूरी के घर वापस आ गए थे ।उन्हें झूरी से शिकायत थी कि उसने उन्हें गया के साथ क्यों भेज दिया वैसे वे झूरी के प्रति स्नेह भाव दिखा रहे थे ।उन्हें झूरी से लगाव था।

2. बर्फ वाली चोटियों के सर्वोच्च स्थान पर डाँडे के देवता का स्थान था। इसे पत्थरों के ढेर ,जानवरों के सींग और रंग-बिरंगे कपड़ों की झंडियों से सजाया गया था।

3. तिब्बत में यात्रियों के लिए छुआछूत, जाति -पाति का प्रचलन नहीं था। वहाँ स्त्रियां यात्रियों के लिए चाय पका कर दे देती थीं। वे चाय चौड़ी में कूटकर टोंटीदार बर्तन में देती थीं।

1. तिब्बत भारत के उत्तर में स्थित है ।तिब्बत में डाँडे सबसे खतरनाक जगह होती है। यह **16- 17000** फीट ऊँची है ।इनके दोनों तरफ मीलों तक कोई गाँव नहीं है। यहाँ नदियों के मोड़ और पहाड़ों के कोनो के कारण दूर-दूर तक आदमी दिखाई नहीं देते। यहाँ हिमालय के हजारों श्वेत शिखर हैं। भीटे की ओर दिखाई देने वाले पहाड़ बिल्कुल नंगे हैं ।यहाँ ना बर्फ की सफेदी है और ना ही किसी तरह की हरियाली। उत्तर की तरफ बहुत कम बर्फ वाली चोटियाँ हैं यहाँ विशाल मैदान हैं, जो पहाड़ों के घिरे टापू की तरह मालूम होते हैं ।तिब्बत की अधिकतर जमीन छोटे-बड़े जमींदारों में बँटी है।

2. इस कहानी में वर्णित प्राणियों से हमें इन दो नैतिक मूल्यों की शिक्षा मिलती है-
१. परस्पर प्रेम एवं सहयोग से रहने की भावना- हीरा- मोती आपस में जिस प्रेमभाव व सहयोग से रहते थे ,उससे हमें भी ऐसे ही भावना अपनाने की प्रेरणा मिलती है।
२.निरीह जानवरों के प्रति सहृदयता- झूरी और भैरों की लड़की का बैलों के प्रति लगाव उनकी सहृदयता को प्रदर्शित करता है। हमें भी निरीह जीवों के प्रति ऐसा ही व्यवहार करना चाहिए।